आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 222 | उज्जैन, बुधवार 02 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन

क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के क्रियान्वयन के लिए 4 हजार 572 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के ग्रामों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना का अनुमोदन किया गया। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा के एक ऐसे ग्राम का चयन किया जाएगा जिसकी वर्तमान जनसंख्या न्यूनतम 2000 हो एवं गौ-वंश की न्यूनतम संख्या 500 हो।

ऐसे ग्रामों को मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम के रूप में विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। ये ग्राम आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के अन्य ग्रामों के समक्ष विकास का आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस योजना के अंतर्गत गौ-पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना विकास, स्वरोजगार सहित ग्रामीण विकास के विषयगत दृष्टिकोणों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किये जाने का निर्णय लिया गया।

राज्य शासन की अवधारणा है कि प्रदेश में कुछ ग्राम इस प्रकार विकसित किये जायें ताकि वे आत्मनिर्भर होकर प्रदेश के समस्त ग्रामों के लिए उदाहरण बनें तथा अन्य ग्राम इन चयनित ग्रामों से प्रेरित होकर स्वयं भी आत्मनिर्भरता और चहुँमुखी विकास की ओर अग्रसर हों। इन चयनित ग्रामों में विभिन्न विभागों के अन्य विकास कार्यों के साथ मुख्य रूप से गौवंशीय एवं अन्य दुधारू पशुओं के पालन, दुग्ध-उत्पादन एवं डेयरी विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। जहां स्वच्छता एवं हरियाली के साथ-साथ गौसेवा और आध्यात्मिकता से समन्वित आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रत्यक्षतः दृष्टिगोचर हो और ग्राम वृन्दावन के रूप में साकार हो सके।

फार्मा फैक्ट्री में धमाके के बाद लगी आग से अबतक 35 लोगों की मौत, मलबे में दबे मिले कई शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की कैमिकल फैक्ट्री में हुए धमाके के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 35 हो गया है। संगारेड्डी के पसामैलाराम फेज 1 में स्थित सिगाची फार्मा प्लांट में बीते दिन भयानक धमाका हुआ था, जिसके बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस दौरान फैक्ट्री में मौजूद कई कर्मचारियों की मौत हो गई।

31 लोग जिंदा जले- एसपी पारीतोष पंकज के अनुसार, कई घंटों की मशक्कत के बाद जब आग पर काबू पाया गया और फैक्ट्री का मलबा हटाया जाने लगा, तो मलबे के नीचे कई लाशें दबी मिलीं। फैक्ट्री में काम करने वाले 31 कर्मचारी जिंदा जल गए, तो वहीं 4 लोगों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सीएम ने किया घटनास्थल का दौरा- तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी हादसे वाली जगह का दौरा किया। मंगलवार की सुबह स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजा नरसिम्हा ने इसकी जानकारी दी। इस घटना से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है। फैक्ट्री में लगी आग के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए हैं, जिन्हें काले धुएं का गुबार देखकर आग की लपटों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इंद्र की तलवार से प्रेरणा, ब्रह्मोस मिसाइल से लैस... समंदर में उतरेगा दुश्मन का काल तमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कालिनिनग्राद में एक शक्तिशाली स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट INS तमाल को भव्य समारोह में कमीशन किया जा रहा है। इस कमीशनिंग समारोह में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वीएडीएम संजय जे. सिंह मुख्य अतिथि होंगे। भारत और रूस के कई बड़े रक्षा अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

इस युद्धपोत का नाम तमाल है। तमाल पौराणिक कथाओं में देवराज इंद्र की तलवार का प्रतीक है। यह जहाज न सिर्फ भारत-रूस की दोस्ती का प्रतीक है, बल्कि समुद्री सरहदों की रक्षा में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

125 मीटर लंबा और 3,900 टन वजनी यह फ्रिगेट पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन अरब सागर और पश्चिमी हिंद महासागर में तैनात होगा। यह क्षेत्र कराची के नजदीकी जलक्षेत्र से लेकर भारत के पश्चिमी तट तक फैला है। तमाल में 26 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सिस्टम हैं, जिनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है।

विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को चेताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान जिस दिन बतौर अस्थाई सदस्य एक महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनएससी) की अध्यक्षता करने की तैयारी में जुटा था, उसके कुछ ही घंटे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उसके आतंकी चेहरे को यूएनएससी कार्यालय के पास ही एक कार्यक्रम में पूरी तरह से बेनकाब कर दिया।

अमेरिका दौरे पर सोमवार को सुबह न्यूयार्क पहुंचे विदेश मंत्री ने मीडिया हाउस न्यूजवीक के एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को परोक्ष तौर पर यह धमकी भी दे डाली की अगर भारत के नागरिकों पर सीमा पार से पोषित आतंकी हमला करते हैं तो भारत आपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई फिर कर सकता है। जयशंकर ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि, पाकिस्तान से उपजे आतंकवाद के खिलाफ अगर भारत कार्रवाई करता है तो उसे परमाणु ब्लैकमेल से नहीं रोका जा सकता।

आज से शुरू हो रहा पाकिस्तान का कार्यकाल- पाकिस्तान अभी यूएनएससी का अस्थाई सदस्य है। यूएनएससी के सभी 10 अस्थाई सदस्यों को एक-एक महीने के लिए दुनिया की इस सबसे बड़े पंचायत की अगुवाई करने का मौका मिलता है। पाकिस्तान का कार्यकाल एक जुलाई, 2025 से शुरू हो रहा है। पाकिस्तान की तरफ से संकेत है कि वह इस अवधि का इस्तेमाल कश्मीर मुद्दे को हवा देने के लिए कर सकता है।

जयशंकर ने उठाया आतंकवाद का मुद्दा - साथ ही वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ यूएनएससी के तहत भारत ने स्वयं व अपने सहयोगियों के समर्थन से पूर्व में जो कोशिशें की हैं, उनको कुंद करने की कोशिश भी पाकिस्तान कर सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का कड़ा रुख, पाकिस्तान जिंदाबाद पोस्ट शेयर करने वाले की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे वाले फेसबुक पोस्ट शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार अंसार अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी देश विरोधी गतिविधियों को लेकर अदालतों की सहनशीलता ही इन मामलों की बढ़ती संख्या का कारण बन रही है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने कहा कि यह मामला जमानत देने योग्य नहीं है।

कोर्ट का कड़ा रुख- न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अपराध अब आम होते जा रहे हैं क्योंकि अदालतें ऐसे लोगों के प्रति उदार और सहिष्णु हैं जिनकी सोच देश विरोधी है। यह ऐसा मामला नहीं है जिसमें आरोपी को इस समय जमानत दी जा सके।

कोर्ट ने कहा कि आरोपी का कृत्य संविधान और उसकी मूल भावना के प्रति अपमानजनक है। यह भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के खिलाफ है। आरोपी की उम्र 62 वर्ष है और वह स्वतंत्र भारत में जन्मा है, ऐसे में उससे जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे व्यक्ति को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज- FIR के अनुसार, आरोपी अंसार सिद्दीकी ने 3 मई को फेसबुक पर एक वीडियो साझा किया था जिसमें पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा था और मुसलमानों से अपने पाकिस्तानी भाइयों का समर्थन करने की अपील की गई थी।

कूड़ा फेंकने को लेकर विवाद; पड़ोसी ने बुजुर्ग महिला को पेड़ से बांधकर पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के गौतमपुरा गांव में एक घटना ने इंसानियत को शर्मशार कर दिया है। एक 70 साल की बुजुर्ग महिला को उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर कूड़ा फेंकने के झगड़े में पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा।

पुलिस के मुताबिक, यह शर्मनाक घटना 24 जून की सुबह हुआ, लेकिन तब सुर्खियों में आया जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस ने बताया कि हुच्चम्मा नाम की एक बुजुर्ग महिला ने अपनी पड़ोसी प्रेमा को अपने घर के सामने कूड़ा फेंकने से मना किया।

पाताल में भी लक्ष्य को भेदेगा अग्नि-5 मिसाइल पर लगा वारहेड, सटीक हमलों के मामले में अमेरिका का B-2 बॉम्बर भी रह जाएगा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के वैश्विक संघर्षों से सबक लेते हुए भारत ने भविष्य के युद्धों के लिए बंकर बस्टर बम बनाने की दिशा में प्रयास तेज कर दिया है। भारत ऐसी शक्तिशाली मिसाइल प्रणाली पर काम कर रहा है, जिसमें अग्नि-5 पर लगा मुखास्त्र (वारहेड) पाताल में भी लक्ष्य को भेदने में सक्षम होगा।

हालिया दिनों में जब अमेरिका ने ईरान के फोर्डो परमाणु संयंत्र पर हमला किया, तो बंकर बस्टर बम दुनियाभर में सुर्खियों में आ गया। हालांकि, भारतीय मिसाइल प्रणाली अमेरिका के बी-2 बमवर्षक से ज्यादा सटीक हमले करेगी, क्योंकि अग्नि-5 मिसाइल बेहतर ढंग से लक्ष्य पर निशाना साधेगी।

जमीन के कितने नीचे तक कर सकेगा हमला- भारत का बंकर बस्टर बम न सिर्फ जमीन के नीचे 80 से 100 मीटर तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद देगा, बल्कि इसे पारंपरिक हथियारों से नष्ट भी नहीं किया जा सकेगा।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत द्वारा बंकर बस्टर बम का निर्माण पहले से प्रस्तावित था। लेकिन, ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले के बाद भारत ने इसको लेकर अपना प्रयास तेज कर दिया है।

पहाड़ियों के नीचे और मजबूत कंक्रीट से ढके होने के बावजूद अमेरिकी बंकर बस्टर ने फोर्डो परमाणु संयंत्र को तबाह कर दिया था। हालांकि, बी-2 बमवर्षक द्वारा छोड़े जाने वाले अमेरिकी बंकर बस्टर के विपरीत, भारतीय बंकर बस्टर को अग्नि मिसाइल पर वारहेड के रूप में लगाया जाएगा।

भारत मिसाइल आधारित हमले का विकल्प चुन रहा है, क्योंकि इससे लागत कम होती है और परिचालन आसान रहता है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन अग्नि-5 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का नया संस्करण विकसित कर रहा है।

पहले के अग्नि संस्करण की रेंज 5,000 किलोमीटर से अधिक है और यह आमतौर पर परमाणु वारहेड ले जाता है। नया संस्करण एक पारंपरिक हथियार होगा, जो 7,500 किलोग्राम भारी बंकर बस्टर वारहेड ले जाने में सक्षम होगा।

इसे इस तरह डिजाइन किया जा रहा है, जिससे यह कंक्रीट की मोटी परतों के नीचे दबे हुए दुश्मन के ठिकानों को भी भेद देगा।

एक कॉल हुई लीक और चली गई थाईलैंड पीएम की कुर्सी, आखिर किसको लगाया था फोन और क्या हुई थी बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने मंगलवार को फोन काल लीक मामले में प्रधानमंत्री पैटोंगटर्न शिनवात्रा को निलंबित कर दिया। उन्होंने सीमा विवाद को लेकर कंबोडिया के एक वरिष्ठ नेता को फोन किया था, जिसका भारी विरोध हो रहा है। यह मामला कोर्ट पहुंचा है, जिसमें पद से हटाने की मांग की गई है।

कोर्ट ने जांच होने तक उन्हें पद से हटा दिया। उप प्रधानमंत्री सुरिया जुंगरुंगरुआंगकिट को कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनाए जाने की उम्मीद है। जजों ने एकमत से उनके खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका पर मतदान किया और सात-दो से उन्हें प्रधानमंत्री पद से निलंबित करने का निर्णय लिया।

कोर्ट ने पीएम को दिया 15 दिनों का समय- अदालत ने शिनवात्रा को साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। 38 वर्षीय शिनवात्रा को पड़ोसी कंबोडिया के साथ सीमा विवाद से निपटने को लेकर अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दोनों देशों में 28 मई को सशस्त्र संघर्ष हुआ था, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी।

जानिए किससे हुई थी फोन पर बात - 15 जून को उन्होंने तनाव दूर करने के प्रयास में कंबोडियाई सीनेट के अध्यक्ष हुन सेन के साथ फोन पर बात की थी। यह फोन कॉल लीक होने पर देश में विरोध प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया। अदालत के निर्णय पर शिनवात्रा ने कहा कि वह कानूनी प्रक्रिया को स्वीकार करेंगी और अपनी रक्षा के लिए पूरी कोशिश करेंगी, क्योंकि देश की रक्षा करने और शांति बनाए रखने के अलावा उनका कोई इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा, मैंने केवल यह सोचा कि समस्याओं से कैसे बचा जाए। सशस्त्र संघर्ष से कैसे बचा जाए ताकि सैनिकों को कोई नुकसान न हो।

अपनी ही कंपनी के साथियों पर चाकू चलाने लगा सिरफिरा युवक, अधेड़ उम्र महिला की महिला को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी के दक्षिणी इलाके में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। एक शख्स ने चाकू से अपनी कंपनी के साथियों पर हमला कर दिया। इस खौफनाक वारदात में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो लोग बुरी तरह जख्मी हैं। यह हमला मंगलवार सुबह बवेरिया के छोटे से कस्बे मेलरिचस्टाट में हुआ। ये इलाका फ्रैंकफर्ट से पूरब में बसा है।

पुलिस ने बताया कि हमलावर एक 21 साल का जर्मन नौजवान है। उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इस वारदात ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

कब और कहां हुआ हमला?

पुलिस को मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे इस झगड़े की खबर मिली। यह हादसा एक स्थानीय बिजली सप्लाई करने वाली कंपनी के दफ्तर में हुआ। हमले में 59 साल की एक महिला की जान चली गई, जबकि 55 और 62 साल के दो पुरुष गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

फिलहाल यह साफ नहीं हो सका कि इस हमले की वजह क्या थी। पुलिस और अभियोजक इस मामले की गहराई से तफ्तीश कर रहे हैं।

हमलावर को पुलिस ने तुरंत काबू में कर लिया। उसकी उम्र 21 साल बताई जा रही है और वह जर्मन नागरिक है। इस वारदात ने स्थानीय लोगों में दहशत पैदा कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वे इस हमले के पीछे की वजह जानने के लिए हर पहलू की जांच कर रहे हैं। अभी तक कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले की तह तक पहुंचा जाएगा।

ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक चलने वाला मुकदमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन में 92 वर्षीय बुजुर्ग रायलैंड हेडली को एक महिला की हत्या और दुष्कर्म के 58 साल पुराने मामले में सोमवार को दोषी करार दिया गया। उसे मंगलवार को सजा सुनाई जाएगी।

इसे ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक चलने वाला ऐसा मुकदमा माना जा रहा है जिसमें अदालत ने 58 साल बाद फैसला सुनाया। हेडली ने 1967 में एक 75 साल की महिला लुईसा डन पर उसके घर में हमला किया था।

महिला के साथ हुआ था दुष्कर्म- हमले में महिला की मौत हो गई थी। लुईसा को उसके पड़ोसी ने उसके घर में मृत पाया। उसकी मौत का कारण गला घोंटना और दम घुटना पाया गया। उसके साथ दुष्कर्म भी हुआ था।

इस मामले में ब्रिस्टल क्राउन कोर्ट की जूरी ने हेडली इतने सालों के बाद दोषी ठहराया है। 58 साल तक यह मामला अनसुलझा रहा। हेडली को इसे पहले भी दुष्कर्म के दो अन्य मामलों में जेल की सजा हो चुकी है।

यूरोप में हीटवेव का कहर, फ्रांस-इटली में रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ यूरोप और ब्रिटेन इस समय भीषण गर्मी की मार झेल रहा है। सोमवार को स्पेन और पुर्तगाल में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया गया। वहीं इटली और फ्रांस में हीटवेव से निपटने के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है।

मेडिटेरेनियन समुद्र के किनारे बसे देशों में इस सीजन की पहली भयानक हीटवेव आई है। सरकार ने लोगों से घरों में रहने, बच्चे और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए खास सावधानी बरतने की अपील की है।

फ्रांस के पर्यावरण मंत्री एग्नेस पनिये-रनाचे ने कहा, ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। फ्रांस के 16 क्षेत्रों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। पर्यटन स्थलों पर एम्बुलेंस तैनात की गई है और फायर ब्रिगेड को भी तैयार रखा गया है।

फ्रांस, तुर्की और इटली के जंगलों में आग भड़क उठी, जिसे तेज हवाओं और तापमान ने और खतरनाक बना दिया।

नहीं करेंगे ओबामा जैसा समझौता, ईरान के साथ बातचीत पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि परमाणु समझौते के लिए वह ईरान को कुछ नहीं देने जा रहे हैं। ईरान के साथ पूर्व राष्ट्रपति ओबामा जैसा कोई समझौता नहीं करेंगे जिसमें मूर्खतापूर्ण तरीके से ईरान को परमाणु हथियार बनाने के लिए मौका दिया गया।

ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ तभी वार्ता होगी जब वह अपने परमाणु संयंत्रों को खत्म करने की शर्त पर तैयार होगा। इस बीच ईरान के उप विदेश मंत्री साजिद तख्त रवांची ने कहा है कि ईरान अमेरिका के साथ वार्ता के लिए तैयार है लेकिन पहले वह यह भरोसा चाहता है कि अमेरिकी सेना फिर से ईरान पर हमला नहीं करेगी।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई साल पीछे गया - अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के प्रमुख जान रेटक्लिफ ने कहा है कि अमेरिका के हमले के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम वर्षों पीछे चला गया है। सीआइए प्रमुख ने यह बात पिछले सप्ताह अमेरिकी सांसदों की समिति के समक्ष कही। सीआइए प्रमुख का यह बयान अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की खुफिया रिपोर्ट से अलग है जिसमें कहा गया है कि हमलों से ईरानी परमाणु कार्यक्रम बर्बाद नहीं हुआ है।

इजरायल से युद्ध में 935 ईरानी मारे गए - इजरायल के साथ 12 दिन के युद्ध में ईरान के 935 लोग मारे गए जिनमें 38 बच्चे और 132 महिलाएं थीं। यह जानकारी ईरानी न्यायपालिका के प्रवक्ता असगर जहांगीर ने दी है। केवल तेहरान की एविन जेल में ही इजरायली हमले में 79 लोग मारे गए। जबकि ईरानी हमलों में इजरायल में 28 लोग मारे गए हैं।

तो अगले दिन ही बना लूंगा नई पार्टी, बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ एलन मस्क; ट्रंप को दी खुली चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला-स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी-भरकम टैक्स कट और खर्च बिल की फिर से तीखी आलोचना की है।

मस्क ने साफ लफ्जों में कहा कि जो सांसद इस बिल का समर्थन करेंगे, उन्हें अगले साल प्राइमरी चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा। मस्क ने इस बिल को पागलपन और विनाशकारी करार दिया और इसे देश के लिए खतरनाक बताया।

शनिवार को जब सीनेट में इस बिल पर चर्चा हो रही थी, मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सोमवार को अपनी आलोचना को और तेज करते हुए कहा कि जिन सांसदों ने सरकारी खर्च कम करने का वादा किया था, लेकिन इस बिल का साथ दिया, उन्हें शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए।

नई पार्टी की बनाएंगे मस्क- मस्क ने गुस्से में कहा, ऐसे सांसदों को अगले साल प्राइमरी में हार मिलेगी, चाहे मुझे इसके लिए आखिरी सांस तक लड़ना पड़े।

उन्होंने इस बिल को इतना खर्चीला बताया कि इसे पोर्की पिग पार्टी का बिल करार दिया। इस शब्द का इस्तेमाल फिजूलखर्ची के लिए किया जाता है। मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी की जरूरत पर जोर देते हुए लिखा, अब वक्त आ गया है कि एक ऐसी पार्टी बने जो वाकई में जनता की फिक्र करे।

दोस्ती निकली खोखली, चीन-रूस ने दिखाई पीठ; जानें कैसे जरूरत के समय अकेला पड़ा ईरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के B-2 बॉम्बर्स द्वारा 30 हजार पाउंड के 'बंकर बस्टर' गिराए जाने के एक हफ्ते बाद पश्चिम एशिया में जंग की आशंका तो कम हुई, लेकिन एक और कहानी सामने आई, ईरान के दोस्त चीन और रूस की चुप्पी। जहां ईरान और इजरायल संघर्षविराम की ओर बढ़ गए, वहीं चीन और रूस ने मुश्किल घड़ी में ईरान को कोई सैन्य समर्थन नहीं दिया। इससे तथाकथित ईरान-चीन-रूस की दोस्ती की सच्चाई उजागर हो गई।

बिना समर्थन के रह गया ईरान- जब ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले हुए, तब न तो बीजिंग और न ही मॉस्को ने खुलकर समर्थन किया। चीन ने केवल शांति की अपील की, जबकि रूस ने सीमित राजनयिक बयान जारी किए। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह दोस्ती केवल रणनीतिक सुविधा और साझा गिले-शिकवे पर टिकी है, न कि सच्चे रक्षा सहयोग पर।बीजिंग और मॉस्को दोनों ने अपने आर्थिक और कूटनीतिक हितों को प्राथमिकता दी। खाड़ी देशों और यूरोपीय साझेदारियों को देखते हुए वे खुलकर ईरान के पक्ष में आने से हिचकते रहे।

ये कैसी दोस्ती- 2022 के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ईरान व्यापार संबंधों के बाद इस तथाकथित गठजोड़ को एक उभरते खतरनाक गुट के रूप में देखा जा रहा था। ईरान ने रूस को ड्रोन दिए, चीन ने ईरान से तेल खरीदा। पर यह सहयोग केवल लेन-देन तक सीमित रहा।

कांग्रेस की ओर से सीधे तौर पर कहा गया है कि सीएम सिद्दरमैया ही सीएम बने रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सीएम बदलने को लेकर चल रहे कयासों पर कांग्रेस आलाकमान ने ब्रेक लगा दिया है। कर्नाटक के कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने साफ कर दिया है कि सूबे के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ही रहेंगे। इससे पहले पार्टी के विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि सीएम सिद्दरमैया की कुर्सी पर डीके शिवकुमार काबिज हो सकते हैं।

विधायक इकबाल ने यहां तक कहा दिया था कि डीके शिवकुमार के पक्ष में करीब 100 विधायक है और ये विधायक उन्हें मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। लेकिन अब कांग्रेस की ओर से सीधे तौर पर कहा गया है कि सीएम सिद्दरमैया ही सीएम बने रहेंगे।

क्या बोले सुरजेवाला- प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरजेवाला ने कहा, आप में से कुछ लोगों ने लीडरशिप चेंज को लेकर मेरी राय मांगी थी। मैं आज भी वही जवाब दे रहा हूं जो मैंने कल दी थी। ये जवाब सिर्फ एक शब्द में नो है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम विधायकों और सांसदों से मिल रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में क्या काम किया है। उनके प्रदर्शन की समीक्षा करना अहम है।

उन्होंने कहा कि पांच गारंटियों को लागू किए जाने की स्थिति को देखना जरूरी है, जिसमें महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा भी शामिल है।

सुरजेवाला ने आरोप लगाते हुए कहा, लीडरशिप चेंज को लेकर बीजेपी ने हौवा बनाया था। वे चाहते हैं कि गारंटियों को बंद कर दिया जाए। मैं दोहराता हूं कि आर अशोक से लेकर विजयेंद्र तक भाजपा के नेता पांच गारंटियों को रोकना चाहते हैं।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में पटाखे की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग बुरी तरह से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

यह हादसा तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुआ। शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी में पटाखों की फैक्ट्री थी, जिसमें अचानक आग लगने से जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज से आसपास के लोग भी बुरी तरह सहम गए हैं।

धमाके की वजह साफ नहीं- विरुधुनगर के पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि धमाके क्यों और कैसे हुआ? इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। घायलों को जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस धमाके का कारण पता लगाने की कोशिश कर रही है। यह धमाका गोकुलेश फायरवर्क्स फैक्ट्री में हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि पूरी फैक्ट्री चकनाचूर हो गई। धमाके के बाद हर तरफ मलबा फैल हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा गया।

डीके शिवकुमार के साथ 100 विधायक, कांग्रेस MLA के दावे ने बढ़ाई अलाकमान की मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की सियासत में हंगामा मचा हुआ है। कांग्रेस के दिग्गज नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेंगलुरु दौरे से पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के करीबी एक विधायक ने बड़ा दावा ठोक दिया है। उन्होंने कहा कि करीब 100 विधायक चाहते हैं कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अब बदलाव हो। उनका इशारा साफ है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हटाकर डीके शिवकुमार को कमान सौंपी जाए।

विधायक ने चेतावनी दी कि अगर अब बदलाव न हुआ, तो 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता खतरे में पड़ सकती है। कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने खुलकर डीके शिवकुमार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ये सिर्फ मेरी बात नहीं, 100 से ज्यादा विधायक बदलाव चाहते हैं। कई विधायक इस पल का इंतजार कर रहे हैं। वे अच्छे शासन की उम्मीद रखते हैं और मानते हैं कि डीके शिवकुमार को मौका मिलना चाहिए। उन्होंने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी की ताकत बढ़ाई है। उनके काम की वजह से लोग उनके साथ खड़े हैं।

2028 में सत्ता से हाथ धोना पड़ सकता है- इकबाल हुसैन ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा है कि वे सुरजेवाला से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा जरूर उठाएंगे।

90 दिन, पांच करोड़ मुकदमे; चर्चा से निकलेंगे समाधान के रास्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 का एक साल पूरा हो रहा है, जिसमें कुछ कृत्यों को अपराध की श्रेणी से हटाया गया, कुछ को फिर से परिभाषित किया गया और कुछ नए अपराधों को शामिल किया गया। फिर भी अदालतों में लंबित मामलों का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है।

इसी के चलते आज से देश भर की अदालतों में लंबित मुकदमों के निपटारे के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और सुप्रीम कोर्ट मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) की ओर से 90 दिनों का मध्यस्थता अभियान 'मेडिएशन फार द नेशन' शुरू किया जा रहा है है जो 30 सितंबर 2025 तक जारी रहेगा।9.33 लाख मामले फास्ट ट्रैक अदालतों में लंबित हैं, उत्तर प्रदेश में जो देश में सबसे अधिक है।

67 मामलों में निर्णय सुरक्षित है झारखंड उच्च न्यायालय में, जिनमें से कई दो वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं।

14.3 लाख लंबित मामले हैं हरियाणा में जिसमें से 70 फीसदी से अधिक एक वर्ष से अधिक समय से लंबित है।

न्याय का ये वैकल्पिक तरीका पहली बार नहीं अपनाया गया है बल्कि मामलों के बढ़ते बोझ के चलते समय-समय पर ऐसे मध्यस्थता अभियान चलाए जाते रहे हैं, जिसमें बहस नहीं चर्चा होती है, निर्णय नहीं सहमति बनती है और सजा नहीं राह निकलती है। आइए जानते हैं देश में कुल मामलों की संख्या, प्रकार और अभियान की प्रक्रिया।

क्या है प्रक्रिया- अभियान के तहत हर राज्य में हाई कोर्ट में ऐसे मामलों की पहचान की जाएगी जिन्हें मध्यस्थता योग्य माना जाता है। प्रशिक्षित मध्यस्थ (जिनमें महिलाएं और युवा भी शामिल हैं) पूरे सप्ताह आनलाइन, आफलाइन या हाइब्रिड माध्यम से काम करेंगे। इस दौरान प्रमुख रूप से वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, सेवा मामले, बेदखली व अन्य मामले शामिल किए जाएंगे।

मैं उसी कमरे में था जब पीएम मोदी को..., ट्रंप के सीजफायर वाले दावे के बाद अब जयशंकर ने बताई इनसाइड स्टोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान बीच हुए तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच उन्होंने सीजफायर कराया था। अब इस दावे को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिरे से खारिज कर दिया है।

न्यूयॉर्क में न्यूजवीक को दिए इंटरव्यू में उन्होंने मई में भारत की ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के घटनाक्रम की पूरी कहानी बयां की है।

जयशंकर ने बताया कि वह उस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कमरे में मौजूद थे, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने फोन पर बात की थी। उन्होंने साफ कहा कि व्यापार और सीजफायर से जुड़ी कोई बात नहीं हुई थी। भारत ने पाकिस्तान की धमकियों को ठुकराते हुए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को आर्थिक युद्ध बताते हुए कहा कि यह कश्मीर के पर्यटन को तबाह करने और धार्मिक हिंसा भड़काने की साजिश थी।

पाकिस्तान ने की थी सीजफायर की गुजारिश - विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि 9 मई की रात को पाकिस्तान ने भारत पर बड़ा हमला किया, लेकिन भारतीय सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अगली सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जयशंकर से बात की और बताया कि पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। उसी दिन दोपहर में पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने भारतीय समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को फोन कर सीजफायर की गुजारिश की। विदेश मंत्री ने कहा, मैंने खुद देखा कि क्या हुआ।

ट्रंप ने अपने दावे में क्या कहा था- ट्रंप ने पिछले हफ्ते द हेग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि उन्होंने व्यापारिक दबाव डालकर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए मजबूर किया। इसके पहले भी वह सोशल मीडिया के सहारे कई बार ऐसे दावे करते रहे हैं।

प्रेमी, प्रेमिका और अनचाहा रिश्ता... मामूली बहस के बाद शख्स ने गर्लफ्रेंड का रेत दिया गला; पिता के सामने उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय से एक ऐसी घटना सामने आया जो आपके रोंगटे खड़े कर देगी। इस घटना ने लोगों को सकते में डाल दिया है। सूबे के मैरांग में एक 25 साल के शख्स ने अपनी प्रेमिका का गला रेतकर उसकी जान ले ली। ये जुर्म उसने लड़की के पिता के आंखों के सामने किया।

यह खौफनाक वारदात सोमवार की शाम मैरांग पिंडेंगुमियोंग गांव के बाजार में हुई। मृतका इस बाजार में अपने पिता के साथ खेत का सामान बेचने गई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की तहकीकात शुरू कर दी है।

खून से सनी बाजार की सड़क- मृतका मावखाप गांव में रहती थी और उसका नाम फिरनैलिन खारसिनट्यू के है। पुलिस के मुताबिक, चश्मदीदों ने बताया कि आरोपी ने बाजार में प्रेमिका और उसके पिता से मुलाकात की। बातचीत के दौरान दोनों के बीच तीखी बहस हुई और अचानक उस शख्स ने प्रेमिका का गला रेत दिया। इसके बाद पूरी सड़क पर खून-खून हो गया।

वारदात के बाद बाजार में हड़कंप मच गया। फिरनैलिन को फौरन मैरांग सिविल अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने आरोपी को भागने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अनचाहे रिश्ते की वजह से परेशान थी मेरी बेटी- पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷हत्यारे का मकसद निजी झगड़ा लगता है, मगर हम हर पहलू की जांच कर रहे हैं।÷ मृतका के बाप ने बताया कि उनकी बेटी उस शख्स के साथ रिश्ता तोड़ना चाहती थी, जिसके चलते उसने गुस्से में आकर यह खौफनाक कदम उठाया। इस वारदात ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और मृतका के लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

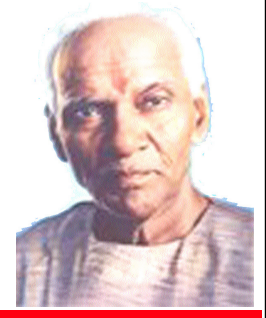

विक्रम संवत 2079 कृष्ण सप्तमी

संपादकीय

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां...

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है।

साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।

अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे ।

साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है।

बिधान चंद्र राय

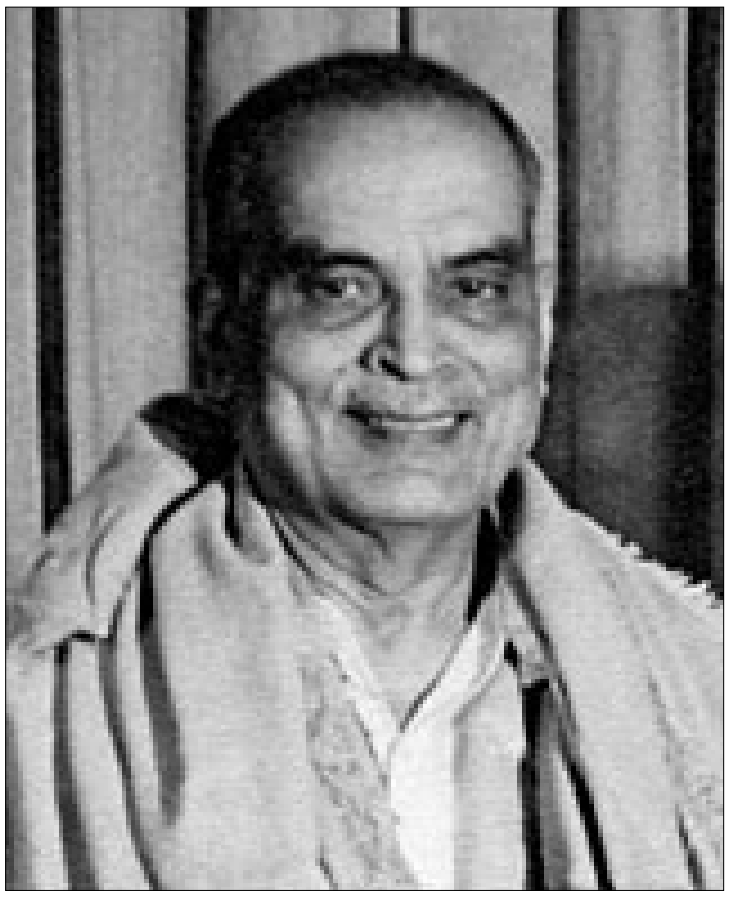

डॉ. बिधान चंद्र राय को बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक वरिष्ठ चिकित्सक, विद्वान् शिक्षाविद, निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ और प्रसिद्ध समाज सेवक के साथ साथ आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माता के रूप में भी बड़ी श्रद्धा व सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। विशेषकर बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा किए गये उल्लेखनीय कार्यों के संदर्भ में उन्हें बंगाल का मसीहा भी कहा जाता है।

जन्म- बिधान चंद्र राय का जन्म 1 जुलाई सन् 1882 को बिहार राज्य के पटना ज़िले में बांकीपुर में हुआ था। उनके पिता श्री प्रकाश चंद्र राय वहाँ के डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उनकी माता का नाम श्रीमती कमिनी देवी था। बिधान चंद्र अपने माता पिता की पाँच संतानों में सबसे छोटे थे। कहा जाता है कि बिधान चंद्र के पूर्वज बंगाल के राजघराने से सम्बंधित थे और उन्होंने मुग़लों का जमकर मुकाबला किया था। यद्यपि कालांतर में राजशाही का वह प्रभाव जाता रहा तथा सरकारी नौकरी होते हुए भी प्रकाश चंद्र राय की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी।

शिक्षा- बिधान चंद्र ने बचपन से ही अनुभव किया कि उनके धार्मिक प्रकृति के माता पिता उनको अच्छे संस्कार तथा आधारभूत शिक्षा तो दे सकते हैं, किंतु आगे का सफर उन्हें अपनी मेहनत और लगन से ही प्राप्त करना होगा। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा पटना के ही एक विद्यालय से हुई। जब वे मात्र 14 वर्ष के थे, तभी उनकी माता का देहांत हो गया। ऐसे में उन्होंने अपने भाई बहिनों के साथ घर का कार्य स्वंय करना प्रारम्भ किया और अपने पिता को परिवार चलाने में सहयोग दिया। पटना विश्वविद्यालय से उन्होंने गणित ऑनर्स की बी.ए. की परीक्षा उतीर्ण की। इस समय उन्हें एक सरकारी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल रहा था, किंतु उन्होंने इंजीनियरिंग या डॉक्टरी के क्षेत्र में से किसी एक में जाने का विचार किया। उन्होंने शिवपुर इंजीनियरिंग कॉलेज और कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रार्थना पत्र भेजे। दोनों ही स्थानों पर उनके प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिए गये, किंतु कलकत्ता मेडिकल कॉलेज का उत्तर पहले प्राप्त होने पर वे सन् 1901 में कोलकाता चले गये। कलकत्ता मेडिकल कॉलेज में उनका पहला वर्ष बहुत ही आर्थिक संकट में गुजरा। पिता द्वारा भेजे गये कुछ रुपयों से वे बड़ी मितव्ययिता से अपना काम चलाते थे। दूसरे वर्ष जबकि उनके पिता भी सेवानिवृत्त हो गये, तब यह आर्थिक संकट और भी गहरा गया। उन्होंने बहुत से कष्टों को झेलकर भी अपना अध्ययन करते रहे, इसका अनुमान इस तथ्य से लगता है कि पाँच वर्षों के अपने अध्ययन काल में वे सिर्फ़ पाँच रुपये की पुस्तक ही ख़रीद सके थे। शेष पुस्तकों के लिए उन्हें पुस्तकालय और अपने मित्रों पर निर्भर रहना पड़ता था।

अध्ययन और अध्यापन- बिधान चंद्र ने अपने व्यवहार और शैक्षिक प्रतिभा के बल पर कॉलेज के प्राध्यापकों और प्रधानाचार्य को बहुत प्रभावित किया। उनके प्रधानाचार्य कर्नल ल्यूकिस उनके प्रेरणा स्रोत तो बने ही, उन्होंने डॉ. राय को आगे बढ़ने में बहुत सहयोग दिया। सन् 1906 में उन्होंने एल.एम.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की और प्रांतीय स्वास्थ्य सेवा में नियुक्त हो गये। एक चिकित्सक के रूप में जहाँ उन्होंने रोगियों का उपचार करने में कठिन परिश्रम और समर्पण से कार्य किया, वहीं अपना डॉक्टरी का अध्ययन भी करते रहे। सन् 1909 में उन्होंने एम. डी. की परीक्षा उत्तीर्ण की और कर्नल ल्यूकिस के सहयोग से उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड के सेंट बाथोलोम्यूस में अध्ययन करने लगे। मात्र 1200 रुपये लेकर विदेश गये राय ने वहाँ अस्पताल में नर्स के रूप में काम करके किसी प्रकार अपनी पढ़ाई और रहने खाने का खर्चा चलाया। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से समय से पूर्व ही एम.आर.सी.पी. और एफ.आर.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की और सन् 1911 में वह भारत लौट आये। भारत में उन्होंने कलकत्ता मेडिकल कॉलेज, कैंपबेल मेडिकल स्कूल और कारमाइकेल मेडिकल कॉलेज में क्रमवार अध्यापन कार्य किया। सन् 1916 में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के फैलो चुने गये।

राजनीतिक सफर- सन 1922 में वह कलकत्ता मेडिकल जनरल के संपादक और बोर्ड के सदस्य बने। उन्हीं दिनों वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के उपकुलपति आशुतोष मुखर्जी के सम्पर्क में आये। आशुतोष जी बड़े दूरदर्शी और पारखी व्यक्ति थे। उन्होंने डॉ. राय को सन् 1923 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में लड़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. राय ने इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उस समय के प्रसिद्ध नेता और अपने विपक्षी सुरेंद्रनाथ बैनर्जी को पराजित किया और इस प्रकार देश की सक्रिय राजनीति में पहला क़दम रखा। देशबंधु चितरंजन दास उनके निकटतम सहयोगी बने और लम्बे समय तक उनके साथ बने रहे। सन् 1925 में उन्होंने देश में उच्च शिक्षा, चिकित्सा और स्वास्थ्य की समस्याओं को राजनीतिक मंच पर उठाया।

इसी वर्ष उन्होंने हुगली नदी के प्रदूषण के कारणों और रोकथाम के संदर्भ में एक जांच समिति के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रकार उन्होंने राजनीति को भी और मानव समाज की समस्याओं को सुलझाने का माध्यम बनाया। अपनी इसी विद्वत्ता और योग्यता के बल पर देश वे उत्कृष्ट राजनेता के रूप में उभरे। सन् 1927 में देशबंधु जी की मृत्यु के पश्चात् वे कांग्रेस के समानांतर बनी स्वराज्य पार्टी के उपनेता बन गये। सन् 1927 में उनकी भेंट बर्मा जेल से लौटे सुभाष चन्द्र बोस से हुई। डॉ. राय नेताजी के विचारों से सहमत हुए और उन होंने अपने अगामी भाषण में कहा - भारतवासियों को आपसी मतभेद भुलाकर देश की स्वतंत्रता के लिए दृढ़ता से आगे बढ़ना चाहिए।

गाँधी जी का सान्निध्य- अब तक डॉ. राय अपनी विद्वत्ता और प्रतिभा के कारण गांधीजी और नेहरू जी के भी बहुत निकट आ गये थे। उन्होंने गांधी जी के सहयोग से देशबंधु जी की स्मृति में चितरंजन सेवा सदन के निर्माण की योजना बनायी। गांधी जी ने डॉ. राय को इस ट्रस्ट का सचिव बनाया। सन् 1928 में वे अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सदस्य चुने गये। 1929 में उन्होंने बंगाल में सविनय अवज्ञा आन्दोलन का नेतृत्व किया। सन् 1930 में उन्हें कांग्रेस कार्यकारिणी समिति में नियुक्त किया गया। सन् 1930 में ही उन्हें आन्दोलन के संदर्भ में गिरफ्तार कर अलीपुर जेल भेज दिया गया। जेल में रहते हुए भी डॉ. राय ने जेल के अस्पताल में सराहनीय कार्य किए। सन् 1931 में वे जेल से रिहा कर दिए गये। इसी वर्ष वह कोलकाता के मेयर चुने गये। सन् 1934 में वह बंगाल प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुने गये। इसी वर्ष वह फारवर्ड ब्लॉक के अध्यक्ष बने और खुल कर कांग्रेस और बंगाल के क्रांतिकारी आन्दोलन का समर्थन किया। कुछ समय पश्चात् ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस कारण इस्तीफा दे दिया, क्योंकि वह इस दायित्व के कारण अपने डॉक्टरी और अध्यापन के कार्यों को उचित समय नहीं दे पा रहे थे। विशेषकर ग़रीब रोगियों की चिंता ने ही उन्हें इसके लिए अधिक प्रेरित किया। सन् 1940 में वे कांग्रेस की कार्यकारिणी समिति से भी अलग हो गये। सन् 1942 में वह कलकत्ता विश्विद्यालय के उपकुलपति नियुक्त हुए। दूसरे विश्व युद्ध का दौर चल रहा था। डॉ. राय ने ऐसी विषम परिस्थितियों में भी कोलकाता में शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था को बनाये रखा। विश्वविद्यालय के संगठन और प्रबंधकारिणी सभा के सदस्य, लेखा मंडल के अध्यक्ष तथा उपकुलपति के रूप में उनकी सेवाओं के लिए उन्हें डॉक्टर ऑफ़ सांइस की उपाधि दी गयी। इसी वर्ष गांधी जी ने उन्हें अपना निजी चिकित्सक नियुक्त किया।

मुख्यमंत्री- सन 1947 में देश स्वतंत्र हुआ तो डॉ.राय को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में सम्मिलित करने पर विचार हुआ, किंतु उन्होंने अपने डॉक्टरी और समाज सेवा कार्यों को प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट इंकार कर दिया। तब गांधी जी के कहने पर उन्हें एक कांग्रेसी होने के नाते अपने कर्तव्य के रूप में बंगाल के मुख्यमंत्री पद का दायित्व ग्रहण करना पड़ा। 23 जनवरी 1948 में राज्यपाल चक्रवर्ती राजगोपालाचारी द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी।

इन म्यूचुअल फंड ने 3 सालों में दिया 28% से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 से 14 फीसदी मिलता है। ये रिटर्न शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड से मिलने वाला रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है। आज हम आपके लिए जुलाई महीने में निवेश करने के लिए ऐसे फंड लेकर आए हैं, जिन्होंने पिछले 3 सालों में 28 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। आशियाना फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ अनिरुद्ध गुप्ता ने फंड का सुझाव दिया है।

Nippon india value fund- इस फंड ने पिछले तीन सालों में 28.52 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसे आप न्यूनतम 500 रुपये की एसआईपी के साथ शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 1.09% फीसदी है। इस फंड के तहत आपका पैसा HDFC Bank, ICICI Bank, Infosys, Treps इत्यादि में निवेश किया जाएगा।

Icici prudential balanced advantage fund- इस फंड ने तीन सालों में 15.61 का रिटर्न दिया है। इसे भी आप 500 रुपये की एसआईपी के साथ शुरू कर सकते हैं। इसका Expense Ratio 0.85% का है। ये फंड Financials, Consumer Discretionary, Information Technology, Non Convertible Debentures इत्यादि में निवेश करता है।

Icici prudential equity and debt- इस फंड ने तीन सालों में 23.47 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस फंड के तहत पैसा ICICI Bank, NTPC, HDFC, Maruti Suzuki India, Sun Pharmaceutical इत्यादि शामिल हैं। इसका Expense Ratio 0.97% है, वहीं PE Ratio 33.03 दर्ज किया गया है। इसे आप 5000 रुपये की एसआईपी के साथ शुरू कर सकते हैं।

Hdfc flexicap- इस फंड से निवेशकों को 28.59 फीसदी का रिटर्न मिला है। इसका Expense Ratio 0.73 फीसदी का है। इसे आप 100 रुपये की एसआईपी के साथ शुरू कर सकते हैं।

रेलवे का सुपर ऐप लॉन्च; एक नहीं बल्कि 9 काम कर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे अब आपको और स्मार्ट बनाने जा रहा है। एक जुलाई को रेलवे ने अपना सुपर ऐप लॉन्च किया, जो एक क्लिक पर एक-दो नहीं बल्कि पूरे 9 काम करेगा। रेलवे ने इस सुपर ऐप का नाम RailOne App रखा है। इसे Android PlayStore और iOS App Store दोनों प्लेटफॉर्म से डाउनलोड किया जा सकता है। अब सवाल ये है कि आखिर इस एक App से आपको कौन-कौन सी सुविधाएं मिलेंगी?

RailOne से मिलेंगी ये 9 सुविधाएं

Railone अपने पैसेंजर्स के लिए वन स्टॉप सॉल्यूशन बनने जा रहा है। जिसमें रेलवे की कई सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाया गया है।

रिज़र्व टिकट बुकिंग हो सकेगी।

अनरिज़र्व टिकट बुकिंग की सुविधा।

प्लेटफार्म टिकट ले सकेंगे।

मंथली टिकट पास प्राप्त कर सकेंगे।

ट्रेन की रियल-टाइम ट्रैकिंग कर पाएंगे।

PNR स्टेटस चेक कर सकेंगे।

ऑनलाइन फूड ऑर्डर की सुविधा मिलेगी।

शिकायत के लिए रेलवे की मदद मिलेगी।

रिज़र्व टिकट के लिए TRD फाइलिंग की सुविधा मिलेगी।

पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं - RailOne App में एक सिंगल साइन ऑन की खास सुविधा दी गई है।

केंद्रीय कैबिनेट ने प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव की तर्ज पर एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव की तर्ज पर एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव योजना को मंजूरी दे दी। इसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में संगठित और स्थायी रोजगार को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस योजना के तहत, सरकार कुल 1.07 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन देगी। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले की जानकारी दी।

इसके अलावा सरकार ने रिसर्च डेवलपमेंट एंड इन्नोवेशन स्कीम का भी ऐलान किया है। इस स्कीम के तहत सरकार एनर्जी सिक्युरिटी, डीप टेक, एआई, फार्मा, डिजिटल एग्रीकल्चर समेत 17 सेक्टर में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन देगी। वैष्णव ने बताया कि श्वस्क्ष योजना के दो हिस्से होंगे पार्ट ए और पार्ट बी। पार्ट ए के तहत नई नियुक्ति करने पर सरकार कर्मचारी की एक महीने की सेलरी (अधिकतम 15 हजार रुपए) दो टुकड़ों में प्रोत्साहन के रूप में देगी। पहली हिस्सा नियुक्ति के छह महीने बाद, जबकि दूसरा हिस्सा नियुक्ति के 12 महीने बाद दिया जाएगा। जबकि पार्ट बी के तहत दो साल तक हर महीने 3000 रुपए का प्रोत्साहन दिया जाएगा। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को 4 साल तक यह प्रोत्साहन मिलेगा।

पार्ट बी के तहत हर महीने प्रति कर्मचारी आनुपातिक प्रोत्साहन (अधिकतम 3000 रुपए) दो साल तक और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 4 साल तक दिया जाएगा। यह राशि हर छह महीने पर चुकाई जाएगी।

यह स्कीम दो साल के लिए होगी। यह 1 अगस्त 2025 से शुरू होगी और 31 जुलाई 2027 में समाप्त हो जाएगी। यह उन्हीं कर्मचारियों पर लागू होगी, जिनकी मासिक सेलरी 1 लाख रुपए से कम हो।

यह स्कीम दो साल के लिए होगी। यह 1 अगस्त 2025 से शुरू होगी और 31 जुलाई 2027 में समाप्त हो जाएगी। यह उन्हीं कर्मचारियों पर लागू होगी, जिनकी मासिक सेलरी 1 लाख रुपए से कम हो।

हर शेयर पर 150% डिविडेंड देने जा रही ये सीमेंट कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की नामी सीमेंट कंपनी जेके सीमेंट लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी अपने पात्र शेयरधारकों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 15 प्रति इक्विटी शेयर का फाइनल डिविडेंड देगी। 10 प्रति शेयर के फेस वैल्यू के साथ यह डिविडेंड 150त्न होगा।

जेके सीमेंट के शेयर आज 0.50 फीसदी की कमजोरी के साथ 6120 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। इस सीमेंट कंपनी के शेयरों ने लंबी अवधि में अपने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है।

डिविडेंड के लिए क्या है रिकॉर्ड डेट- जेके सीमेंट लिमिटेड के शेयरों में डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 8 जुलाई, 2025 निर्धारित की गई है, जबकि बुक क्लोजर अवधि 9 जुलाई से 18 जुलाई, 2025 तक है। जेके सीमेंट लिमिटेड, देश की पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है, जिसका मार्केट कैप 47,326 करोड़ रुपये है।

साल दर साल दिया दमदार रिटर्न- जेके सीमेंट के शेयरों ने इस साल अब तक 33त्न रिटर्न डिलीवर किया है, जबकि 5 साल की अवधि में यह 333 फीसदी है। वहीं, अधिकतम अवधि में जेके सीमेंट लिमिटेड के शेयरों ने 3900 फीसदी रिटर्न दिया है यानी निवेशकों का पैसा करीब 40 गुना कर दिया है।

क्या है ग्रे मार्केट, जहां तय होता है GMP, यह कितना भरोसेमंद?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो आप ग्रे मार्केट पर पैनी नजर जरूर रखते होंगे। किसी कंपनी के IPO के दौरान उसका GMP कितना है? वो बढ़ा या घटा, इस बात पर भी ध्यान देते होंगे। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ग्रे मार्केट है क्या, जहां तस्क्क तय होता है? ये कितना सच्चा और कितना झूठा है? कई बार आपके मन में भी सवाल उठता होगा कि ग्रे मार्केट भरोसेमंद है भी या नहीं? तो चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं आपके मन में उठ रहे हर सवाल के जवाब।

क्या है ग्रे मार्केट- ग्रे मार्केट एक ऐसा बाज़ार है, जहां IPO से पहले शेयरों की अनौपचारिक ट्रेडिंग होती है। यह निवेशकों को अंदाजा देता है कि शेयर लिस्टिंग के बाद कितना मुनाफा दे सकता है। यह स्टॉक एक्सचेंज से बाहर का खेल है, जहां कीमतें डिमांड पर चलती हैं। यहां कोई औपचारिक नियम नहीं होता। निवेशक ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में दांव लगाते हैं। हालांकि, ये काफी रिस्की होता है, क्योंकि कीमतें अस्थिर होती हैं।

इक्विटी में ग्रे मार्केट क्या है- ग्रे मार्केट वह इनफॉर्मल मार्केट है, जहां स्टॉक्स को IPO प्रोसेस पूरी होने और उन्हें आधिकारिक तौर पर एक्सचेंजों पर लिस्ट होने से पहले खरीदा और बेचा जाता है। इस बाजार को सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी SEBI या किसी अन्य आधिकारिक संस्था द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है।

इसमें NSE या BSE की भागीदारी नहीं होती। यहां लेन-देन नकद में होते हैं और डीलर छोटे कागज के टुकड़ों को एक्सचेंज करते हैं। हालांकि, कुछ वेबसाइट्स और ऑनलाइन फोरम निवेशकों को ट्रेड करने की सुविधा देते हैं। लेकिन मुख्य काम मौखिक बातचीत और आपसी भरोसे पर चलता है। इसमें कोई डिजिटल रिकॉर्ड नहीं रखा जाता।

GMP यानी ग्रे मार्केट प्रीमियम क्या है- GMP यानी किसी IPO का इश्यू प्राइस और ग्रे मार्केट में शेयरों की ट्रेडिंग कीमत के बीच का अंतर। अगर GMP ज्यादा है, तो यह दिखाता है कि निवेशक शेयरों के लिए प्रीमियम देने को तैयार हैं।

मशहूर निवेशक डॉली खन्ना का पसंदीदा शेयर, 11 से 300 रुपये तक पहुंचा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में अक्सर आम निवेशकों की नजरें, बड़े इन्वेस्टर्स की पसंदीदा शेयरों पर रहती है। हम आपको देश की दिग्गज निवेशक डॉली खन्ना के उस पसंदीदा स्टॉक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे वे लगातार 3 तिमाहियों खरीद रही हैं। इस शेयर का नाम है 20 माइक्रोन , इस कंपनी में डॉली खन्ना की हिस्सेदारी मार्च 2025 तक 1.71% है। खास बात है कि इस कंपनी में डॉली खन्ना का स्टैक पिछले साल सितंबर (1.29%), दिसंबर (1.28) और इस साल मार्च तक 1.71 फीसदी रहा है।

डॉली खन्ना का मल्टीबैगर स्टॉक

20 Microns के शेयरों ने लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दिया है। हालांकि, इस साल अब तक नेगेटिव रिटर्न डिलीवर किया है। पिछले 5 सालों में 20 माइक्रोन्स के शेयर 600% से ज्यादा चढ़ गए हैं और अधिकतम अवधि में यह रिटर्न 1880 फीसदी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भारतीय नौसेना अधिकारी ओमकार सिंह ने रचा इतिहास

अनूपपुर। नार्वे में आयोजित 55वीं सीआईएसएम विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश के अनूपपुर के रहने वाले ओमकार सिंह ने पुरुषों की पिस्टल शूटिंग श्रेणी में पहला स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ओमकार सिंह ने शीर्ष भाग लेने वाली टीमों के निशानेबाजों को हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

मध्य प्रदेश के अनुपपुर जिले रहने वाले हैं ओमकार सिंह- ओमकार सिंह एमसीपीओ आई भारतीय नौसेना के अधिकारी हैं और उन्होंने 30 जून को इस प्रतियोगिता में अपनी सटीक निशानेबाजी तकनीक से 1171 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। ओमकार सिंह मध्य प्रदेश के अनुपपुर जिले के भालूमाड़ा से हैं और एक भारतीय खेल निशानेबाज हैं। वह वर्तमान में भारतीय नौसेना में सेवा कर रहे हैं और सेना खेलों में भी भाग लेते हैं।

अपने करियर में जीत चुके हैं कई पदक

ओमकार सिंह ने अपने करियर में कई पदक जीते हैं। इनमें 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने 50 मीटर पुरुषों की पिस्टल सिंगल्स इवेंट में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 10 मीटर पुरुषों की एयर पिस्टल में दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (डबल्स) में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

इस उपलब्धि पर भारतीय नौसेना ने किया ट्वीट- भारतीय नौसेना ने ओमकार सिंह की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए ट्वीट किया,इतिहास रचा गया। ओमकार सिंह, एमसीपीओ आई,भारतीय नौसेना को नार्वे में 55वीं सीआईएसएम विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ पिस्टल शूटर नामित किया गया, यह भारत के लिए पहली बार है। ओमकार सिंह की इस उपलब्धि से भारतीय नौसेना और देश का नाम रोशन हुआ है। उनकी सटीक निशानेबाजी तकनीक और कड़ी मेहनत ने उन्हें विश्व सैन्य निशानेबाजी चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचाया है।

जिले के इमलीखेड़ा स्थित हवाई पट्टी पर एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई

छिंदवाड़ा। इमलीखेड़ा स्थित हवाई पट्टी जहां वीआईपी का मूवमेंट लगा रहता है, वहां सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक बीते रविवार शाम को कुछ युवक-युवतियों ने गलत तरीके से रनवे पर प्रवेश कर लिया और रनवे पर कार घुसाकर रील बनाई। इस घटना के दो वीडियो सामने आए हैं, जिनमें सात लोग नजर आ रहे हैं। हालांकि विभाग की ओर से अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई है, फिर भी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

3 युवतियों और 4 युवकों ने बनाई रील- जानकारी के अनुसार, पहले वीडियो में एक कार रनवे पर तेज रफ्तार से दौड़ती दिखाई दे रही है, जो हेलीपैड पर बने एच मार्क पर रुकती है। दूसरे वीडियो में तीन युवतियां और चार युवक कार के सामने रील बनाते नजर आ रहे हैं। पड़ोसी कॉलोनी के एक व्यक्ति ने यह वीडियो बनाकर पुलिस को सूचित किया। हवाई पट्टी एक निजी कंपनी को 10 वर्षों के लिए लीज पर दी गई है, लेकिन कंपनी ने अभी कार्यभार नहीं संभाला है।

मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी- वर्तमान में पीडब्ल्यूडी का एक चौकीदार सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रखवाली करता है। घटना ड्यूटी समय के बाद की बताई जा रही है। चौकीदार कमल ने बताया कि अज्ञात लोग गेट नंबर 2 का ताला तोड़कर कार अंदर ले गए। मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। कोतवाली निरीक्षक आशीष धुर्वे ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, हालांकि विभाग की ओर से अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई है।

सुरक्षा में चूक को लेकर उठ रहे सवाल- इमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर वीआईपी मूवमेंट बना रहता है, आए दिन मंत्री और कई पार्टियों के नेता इसी हवाई पट्टी पर आते हैं, ऐसे में सुरक्षा में हुई चूक को लेकर सवाल बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। क्योंकि हवाई पट्टी पर न तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और न ही पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। ऐसे में इस प्रकार की चूक कई सवाल खड़े कर रही है। गनीमत रही कि पड़ोस में कॉलोनी के रहवासी ने ही इस घटना का वीडियो बना लिया, जिसके कारण ये मामला सामने आया है।

बीएसएनएल पर अब मध्य प्रदेश पुलिस को भरोसा नहीं रहा

ग्वालियर। बीएसएनएल का खराब नेटवर्क। अब तक प्रदेशभर के पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी बीएसएनएल की ही सीयूजी सिम का उपयोग कर रहे थे, लेकिन अब पुलिस की सभी सिम एयरटेल नेटवर्क पर पोर्ट हो रही हैं।

प्रदेशभर में करीब 80 हजार पुलिसकर्मियों की सिम बदली जाएगी। ग्वालियर में ऐसे करीब दो हजार पुलिसकर्मी हैं, जो बीएसएनएल की सीयूजी सिम चला रहे हैं। ग्वालियर में करीब एक हजार सिम आ चुकी हैं। पुलिसकर्मियों को इन सिमों का आवंटन पुलिस कंट्रोल रूम की वायरलैस शाखा से हो रहा है। पिछले तीन दिन से यहां पुलिसकर्मियों को सिम बांटी जा रही हैं।

कुछ जिलों में सबसे ज्यादा खराब स्थिति- प्रदेश के श्योपुर, उज्जैन सहित कुछ जिले ऐसे हैं, जहां बीएसएनएल के नेटवर्क की सबसे ज्यादा परेशानी है। ग्वालियर में भंवरपुरा, घाटीगांव, बेहट, भितरवार सर्किल के कुछ ऐसे थाने हैं, जहां नेटवर्क नहीं मिलता।

यहां इंटरनेट तो दूर सामान्य नेटवर्क भी नहीं मिलता। इस वजह से पुलिसकर्मियों को संवाद में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुलिसकर्मियों के पास सीयूजी सिम है, इसके बाद भी इन्हें निजी नेटवर्क का इस्तेमाल बात करने के लिए करना पड़ता है। ऐसे में अब सिम को एयरटेल नेटवर्क पर शिफ्ट किया जा रहा है।

लहसुन के दामों में गिरावट

शाजापुर। वर्षा के मौसम में कृषि उपज मंडी शाजापुर में जहां लहसुन की आवक धीमी हो गई है, वहीं दूसरी ओर दामों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। 24 से 30 जून के बीच लहसुन की कुल आवक लगभग 1700 क्विंटल रही, लेकिन इस कम आवक का बाजार पर कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ा। आमतौर पर जब आवक घटती है तो भाव बढ़ने की संभावना रहती है, लेकिन इस बार उल्टा हो रहा है, भावों में करीब 1500 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई है।

बाजार में लहसुन की मांग कम- व्यापारियों का कहना है कि इस समय बाजार में लहसुन की मांग कम बनी हुई है। उपभोक्ता स्तर पर खपत जरुरत के अनुसार कम हो रही है, जिससे व्यापारी अधिक स्टॉक उठाने से बच रहे हैं। इसके अलावा इस वर्ष शाजापुर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में लहसुन का उत्पादन अच्छा रहा है। व्यापारी यह भी मानते हैं कि भावों में अभी स्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन फिलहाल तेजी की उम्मीद कम ही है।

भोपाल में छात्रों की छात्रवृत्ति में घोटाला आया सामने

भोपाल। राजधानी में पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति में भारी घोटाला सामने आया है। पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार से मिली शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने शहर के 40 से ज्यादा मदरसों/स्कूलों के खिलाफ भोपाल क्राइम ब्रांच में केस दर्ज किया गया है।

छात्र-छात्राओं को सालाना मिलती है ?5700 की छात्रवृत्ति- जानकारी के मुताबिक पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार की ओर से कक्षा 11वीं और 12वीं में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को सालाना 5700 रुपए की छात्रवृत्ति दी जाती है। भारत सरकार से मिलने वाली इस छात्रवृत्ति का लाभ 40 से ज्यादा मदरसों/स्कूलों में पढ़ने वाले 11 सौ छात्रों को दिया जा रहा था। जबकि इन मदरसों/स्कूलों की मान्यता महज 10वीं कक्षा की है।

40 से ज्यादा मदरसों व स्कूलों के खिलाफ केस दर्ज- इन सभी मदरसों/स्कूलों गलत तरीके से 11वीं और 12वीं कक्षा की मान्यता दिखाकर छात्रवृत्ति ली जा रही थी। मामला उजागर होने के बाद पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार के अधिकारी ने कल क्राइम ब्रांच में शहर के 40 से ज्यादा मदरसों व स्कूलों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। अब पुलिस इन मदरसों व स्कूलों की मान्यता के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

निःशुल्क प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 11 हजार से अधिक लोगों की हुई जाँचे

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गैर संचारी रोगों की रोकथाम के लिये इंदौर में स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा प्रीवेंटिव हेल्थ केयर कार्यक्रम के तहत जून माह में 13 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये। जिसमें 11 हजार से अधिक लोगों की जाँच की गई। इसमें हार्ट, लिवर, कैंसर, टीबी, हड्डी एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी अत्याधुनिक जाँचें की गई। इन जाँचों में मुख्य रूप से कॉर्डियोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, टीबी चेस्ट स्क्रीनिंग, गाइनेक स्क्रीनिंग, ब्रेस्ट लंप स्क्रीनिंग, ईसीजी, फाइब्रोस्कैन, चेस्ट एक्सरे, ईको, यूएसजी, मैमोग्राफी, कॉल्पोस्कोपी, पेपस्मियर, आर्थो, ऑप्थेल चेकअप, डेंटल चेकअप, एचबी, आरबीएस, एसजीपीटी, एसजीओटी, लिपिड प्रोफाइल और जनरल मेडिसिन जाँचें शामिल थी।

फाउंडर चेयरमैन डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि संभागायुक्त की पहल पर आयोजित किए गए इन प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कैंप्स में जाँचों के दौरान ऐसे मरीजों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया जो फिलहाल किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं अथवा जिनके निकट भविष्य में किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की आशंका है।

ऐसे मरीजों में हार्ट, कैंसर, लिवर, आर्थो आदि के मरीज भी शामिल हैं। इन सभी मरीजों को समुचित उपचार हेतु निर्देशित कर उन्हें जरूरी चिकित्सकीय सलाह एवं जानकारियाँ प्रदान की गई। चुनिंदा मरीजों का इलाज श्री अरबिंदो अस्पताल में प्रारंभ कर दिया गया है। इलाज के दौरान उन्हें आयुष्मान एवं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है। डॉ. आदित्य चौरसिया ने बताया कि गैर-संचारी रोगों की जाँच एवं इलाज के तहत 13वाँ कैंप सोमवार को गांधी हॉल में आयोजित किया गया।

इसमें इंदौर के वरिष्ठ चिकित्सक एवं विशेषज्ञ मौजूद रहे। इंदौर जोन के इन स्वास्थ्य शिविरों की समीक्षा के पश्चात संभाग के अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के शिविरों की रूपरेखा तय की जाएगी। इस संबंध में गांधी हॉल शिविर में निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी से भी चर्चा की गई है।

इंदौर से उज्जैन तक निर्माणाधीन सड़क के दोनों ओर लगाये जायेंगे एक लाख पेड़- मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की ऐतिहासिक कदम को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के संकल्प को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पूरा किया जायेगा। इसके लिए इन्दौर-उज्जैन 6 लेन 46 किलोमीटर सड़क मार्ग के दोनों ओर एक लाख से अधिक पेड़ लगाये जायेंगे। यह पेड़ सड़क की खाली भूमि, जल स्त्रोत के पास, नदी-नाले के पास, सार्वजनिक स्थान, ग्रीन बेल्ट, विभिन्न ग्राम पंचायतों के मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे लगाये जाये। यह अभियान न केवल पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में सार्थक पहल रहेगा बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ्य और हरा-भरा वातावरण में भी सहयोग करेगा। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि यह धरती हमारी मां है और इस संसार में मां से बड़ा कोई नहीं है। एक पेड़ मां के नाम एक प्रयास है, जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। मां और प्रकृति दोनों ही जीवन का मूल आधार है और इस पहल के माध्यम से हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है। इसी भाव को जीवित रखने के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत इन्दौर-उज्जैन 6 लेन 46 किलोमीटर सड़क मार्ग के दोनों ओर एक लाख से अधिक पेड़ लगाये जायेंगे।

एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला युवा संगम कार्यक्रम 7 जुलाई को

इंदौर। राज्य शासन की मंशा के अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलाने के लिए युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला लगातार आयोजित किये जा रहे हैं। इसी सिलसिले में एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा संगम) जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में 07 जुलाई सोमवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दा नगर में आयोजित होगा।

इंदौर से स्थानांतरित हुए संयुक्त संचालक डॉ. आर.आर. पटेल को दी गई भावभीनी विदाई

इंदौर। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय, इंदौर में पदस्थ संयुक्त संचालक डॉ. आर.आर. पटेल को भोपाल स्थानांतरित होने पर सोमवार को एक गरिमामय समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ही इंदौर के मीडिया संगठनों के प्रतिनिधियों ने डॉ. पटेल के कार्यों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री अरविंद तिवारी, मध्यप्रदेश स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री प्रवीण खारीवाल, वूमन्स प्रेस क्लब की अध्यक्ष श्रीमती शीतल राय सहित विभिन्न पत्रकार संगठनों के पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने डॉ. पटेल के प्रशासन और प्रेस के बीच सेतु के रूप में निभाई गई भूमिका को अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्होंने कुशल समन्वय और दक्ष प्रबंधन से विभागीय कार्यों को उत्कृष्ट रूप से निभाया।

अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की उपस्थिति और उपलब्धियां बढ़ाना राज्य सरकार का लक्ष्य है - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की उपस्थिति और उपलब्धियां बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग दे रही है। वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक सहित सभी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और बड़ी संख्या में पदक लाएं, इस लक्ष्य के साथ प्रदेश में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

राज्य सरकार प्रदेश में खेल अधोसंरचना विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ अन्य सहायता व प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य शासन मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की जबलपुर में आयोजित वार्षिक बैठक को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवक कल्याण श्री मनु श्रीवास्तव उपस्थित थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ सन 1952 से अर्थात् 73 साल से खेल के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश का 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा और प्रदेश ने पहली बार तीसरा स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

मप्र उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में एक दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर। मीडिएशन मॉनिटरिंग सब कमेटी एवं म0प्र0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं अध्यक्ष श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के कॉन्फ्रेंस हॉल में विगत दिवस एक दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया द्वारा कार्यक्रम में पधारे विभिन्न जिले के सचिवों, जिला विधिक सहायता अधिकारियों एवं सामुदायिक मध्यस्थों का स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों को देखकर मैं भूल जाता हूँ कि मैं इस समिति का अध्यक्ष या न्यायाधीश हूँ। मैं अपने को आपके बीच का पाता हूं एवं अपने आपको मध्यस्थ समझता हूं। उनके द्वारा व्यक्त किया गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक-दूसरों के साथ अपना अनुभव एवं सुझाव साझा करना है। सामुदायिक मध्यस्थता का कार्य इन्दौर में बहुत हद तक सफल हुआ है एवं इसे उच्च न्यायालय इन्दौर के क्षेत्राधिकार में आने वाले अन्य जिलों में शुरू करने के पश्चात उच्च न्यायालय जबलपुर एवं ग्वालियर के क्षेत्राधिकार में आने वाले जिलों में प्रारंभ करना है। सामुदायिक मध्यस्थता की चर्चा पूरे देश में हो रही है।

इन्दौर के कार्य को यथा स्थिति में मुख्य न्यायाधिपति श्री सुजय पाल द्वारा तेलंगाना के विभिन्न जिलों में भी शुरू किया गया है। सामुदायिक मध्यस्थता के 24 केन्द्रों के माध्यम से लगभग 5000 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। पोटेंशियल ट्रेनर डॉ. मो. शमीम द्वारा व्यक्त किया गया कि मध्यस्थता का मूल उद्देश्य पक्षकारों की अपनी इच्छा पर निर्भर करता है। मध्यस्थता के दौरान किसी भी धनराशि की मांग नहीं किया जाना चाहिए। माननीय न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में मध्यस्थता करने से बचना चाहिए।

राजस्व अधिकारी निर्धारित समयसीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें - कलेक्टर

इंदौर। इंदौर जिले में राजस्व महाअभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत तेजी से राजस्व प्रकरण निराकृत हो रहे हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां राजस्व अधिकारियों की बैठक में इस अभियान के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत निर्धारित अवधि में लंबित प्रकरण निराकृत किए जाएं। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अधिकारी पारदर्शिता, ईमानदारी, गुणवत्ता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कार्यों में गति लायें। समन्वय बनाकर कार्य करें। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि मध्य जुलाई तक सभी प्रकरणों का निराकरण हो जाये। इसके लिये कार्ययोजना बनायी जाये। अधिकारी मैदान में जाकर कार्य करें और उसकी सतत मॉनीटरिंग करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिले में नामांतरण के जून माह में कुल 3408 प्रकरण निराकृत हुए। विवादित नामांतरण के 279 प्रकरण निराकृत किये गये। बंटवारा के 312 प्रकरण और विवादित बंटवारा के 12 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

इंदौर संभाग स्वच्छता और जल संरक्षण में देश में नंबर-1, एक बगिया मां के नाम अभियान का शुभारंभः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश और मार्गदर्शन में प्रदेश में गुड़ी पडवा से आरंभ जल गंगा संवर्धन अभियान का खण्डवा में आयोजित समापन समारोह एवं वॉटरशेड सम्मेलन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आरंभ हुआ। समापन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1518 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटरशेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खंडवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं तीन अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में प्रदेश में जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने जल संरक्षण व वृक्षारोपण अभियान से जुड़े जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसान साथियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उनकी टीम के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान को जन आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। खंडवा में आयोजित इस कार्यक्रम के साथ ही वाटरशेड सम्मेलन का आयोजन भी सराहनीय है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संदेश में विचार व्यक्त किए कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना जिसमें मध्य प्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा। इस कड़ी में वॉटरशेड सम्मेलन का आयोजन जल संरक्षण के क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के अनुभव साझा करने और हर स्तर पर जल प्रबंधन की रणनीतियों को सशक्त करने का माध्यम बनेगा। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में तीस हज़ार एकड़ से अधिक भूमि पर फलोद्यान विकसित करने की योजना, मातृभक्ति-पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण को एक साथ जोड़ने की सराहनीय पहल है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर ने समस्याओं को सुन अधिनस्थों को दिये समाधान के निर्देश

जनसुनवाई में किया गया प्रकरणों को निराकरण

उज्जैन । कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए।

जनसुनवाई में आये आवेदन में घट्टिया तहसील के ग्राम झीतरखेड़ी निवासी माया पाटीदार ने आवेदन दिया कि वे जन्म से दिव्यांग है किंतु उनका दिव्यांग प्रमाणपत्र नहीं बना है, जिसके कारण वह शासन की किसी भी योजना का लाभ लेने से वंचित है। इस पर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सीईओ जनपद को आवेदन की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

घट्टिया तहसील के ग्राम गोयला बुजुर्ग निवासी सरपंच श्री हरि

नारायण शर्मा ने आवेदन दिया कि उनके ग्राम में आंगनवाड़ी भवन के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है इसे अन्यत्र स्थान पर लगाए जाने की आवश्यकता है। इस पर सेक्शन इंजीनियर विद्युत विभाग को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्वाई करने के निर्देश दिए गए।

बड़नगर तहसील के ग्राम बमनापाती निवासी श्रीमती राजू बाई ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर अनावेदकों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस पर एसडीएम बड़नगर को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्वाई करने के निर्देश दिए गए ।

घट्टिया तहसील के ग्राम रुणजी निवासी दिव्यांग कृषक श्री महिपाल सिंह ने आवेदन दिया कि उनके खेत के समीप अनावेदक कृषक के द्वारा शासकीय सड़क को खोद कर अतिक्रमण किया गया है जिससे उनके खेत में जल भराव की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है। इस पर एसडीएम घट्टिया को आवेदन की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए ।

ग्राम रूणजी के ही निवासी श्रीमती गट्टा कुंवर ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि का नक्शा त्रुटिवश गलत हो गया है ,जिसके कारण उन्हें ऑनलाइन नक्शा निकालने में समस्या उत्पन्न हो रही है एवं सभी प्रकार की शासकीय योजनाओं में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस पर तहसीलदार घट्टिया को आवेदन की जांच आवश्यक कार्वाई करने के निर्देश दिए गए ।

11 जुलाई को निकलेगी समर्पण कावड़ यात्रा

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावण मास में मालवा क्षेत्र की सबसे बड़ी समर्पण कावड़ यात्रा 11 जुलाई शुक्रवार सुबह 10 बजे त्रिवेणी संगम से प्रारंभ होगी।

समर्पण सेवा समिति सचिव राम भागवत ने बताया कि महामंडलेश्वर ईश्वरानंद महाराज उत्तम स्वामीजी के नेतृत्व में निकलने वाली कावड़ यात्रा की तैयारियां ध्वज पूजन के साथ प्रारंभ हुई। ध्वज पूजन त्रिवेणी संगम पर मंत्रोच्चार के साथ पुजारीगणों द्वारा किया गया। इस अवसर पर समर्पण सेवा समिति के अध्यक्ष विजय जायसवाल, कोषाध्यक्ष ओम जैन, सचिव राम भागवत, तुषार पवार, राजेंद्र शर्मा, दिनेश जादौन, कमल सुखवानी, रमण जायसवाल, प्रकाश शर्मा, गिरीश जायसवाल आदि उपस्थित रहे। ध्वज पूजन के बाद संपूर्ण नगर में भगवा ध्वज लगाने प्रारंभ हुए। जिससे श्रावण मास में संपूर्ण महाकाल नगरी भगवा ध्वजा से भगवा और भक्तिमय नजर आने लगी है। 11 जुलाई शुक्रवार सुबह 10 बजे त्रिवेणी संगम से महाकाल मंदिर तक निकलने वाली कावड़ यात्रा में इस वर्ष मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। विगत 16 वर्षों से निकाली जा रही कावड़ यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रथम वर्ष से ही इस कावड़ यात्रा में मार्गदर्शन करते आ रहे हैं, शामिल भी रहते हैं, किंतु मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रथम बार यात्रा में शामिल होने आ रहे हैं। समर्पण सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष तपन भौमिक, समर्पण कावड़ यात्रा के संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी नारायण यादव, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति कलावती यादव, विजय जायसवाल, ओम जैन, राम भागवत, ओमप्रकाश खत्री, रमन जायसवाल, शैलेन्द्र शर्मा नवाखेड़ा, मनमोहन तिवारी, कृष्ण भागवत एवं संपूर्ण सेवा समिति के सदस्यों ने कावड़ यात्रा में भक्तों से शामिल होने एवं यात्रा को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

संभाग स्तरीय अंतराज्यीय अध्ययन यात्रा कार्यशाला आयोजित

उज्जैन। भारत स्काउट एवं गाइड आंदोलन के 75वर्ष होने पर पूरे देश में हीरक जयंती महोत्सव अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित हो रहे है इसी श्रृंखला में संभाग उज्जैन के 101 स्काउटर गाइडर की मां वैष्णो देवी कटरा तीर्थ स्थल पर हाईक आयोजित हुई। हाइक में राज्य मुख्यालय से राज्य कोषाध्यक्ष सह पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त माननीय रमेशचंद्र जी शर्मा, मुख्यालय आयुक्त श्री अनोखीलाल जी शर्मा, सहायक संचालक क्रीड़ा सह जिला सचिव स्काउट श्री रामसिंह जी बनिहार, जिला बाल न्यायालय की जज श्रीमती शोभा शर्मा मैडम आदि।

उज्जैन की भर्तृहरि गुफा और हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में भी कॉरिडोर बनाया जाए- पुजारी महासंघ

उज्जैन। भारत के सभी धर्मस्थलों का कॉरिडोर बनने के बाद आम भक्तों की संख्या बढ़ी है सरकार द्वारा कॉरिडोर बनाने की मंशा नगर का विकास, धार्मिक, सांस्कृतिक, धरोहर की पहचान एवं आर्थिक दृष्टि से व्यवसाय की वृद्धि हो, इसलिए सरकार कोरिडोर बनाने की ओर विशेष ध्यान दे रही हैं वृंदावन में भी कॉरिडोर बनाने के लिए प्रदेश सरकार अग्रसर है। इसी विषय को लेकर अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने एक पत्र देश के प्रधानमंत्री को लिखा है।

राष्ट्रीय सचिव रूपेश मेहता ने बताया कि पत्र में गोरखपुर की गोरक्षनाथ पीठ, उज्जैन की भर्तृहरि गुफा और हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर का सरकारीकरण करते हुए कॉरिडोर बनाने की मांग की हैं। यदि इन स्थानों पर कॉरिडोर बनता हैं तो इन स्थानों का व्यवसाय, व्यापार, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना बढ़ेगी। साथ ही सरकारीकरण भी किया जाना चाहिए जिससे सनातन धर्म के लोगों को लाभ प्राप्त होगा।

पत्र में उज्जैन नगर के 13 अखाड़ों को भी अधिग्रहित कर अखाड़ों को पुरातत्व कॉरिडोर के रूप में विकसित करने का उल्लेख हैं जिससे सनातन धर्म के लोग अखाड़ों के इतिहास से परिचित होककर उसके महत्व को जान सके।अखाड़ों की स्थापना क्यों की गई, उनकी परंपरा क्या हैं और वर्तमान में देश, धर्म को उनका क्या योगदान है उसका चित्रांकन किया जाना चाहिए।जिससे सनातन धर्म के मानने वाले भक्तो को इसका ज्ञान और लाभ मिलेगा। जिस प्रकार देश के धार्मिक स्थलों का अधिग्रहण कर कोरिडोर विकसित किए हैं।

उसी प्रकार इन स्थानों का भी धार्मिक कॉरिडोर और पुरातात्विक कॉरिडोर बनाया जाए यह सनातन धर्म को मानने वाले भक्तों की मंशा है।

विराट आयंबिल एवं प्रवचन भवन कि रखी नींव, 10 करोड़ से लेगा आकार

उज्जैन। देशभर के जैन अनुयायियों में प्रसिद्ध राजा श्रीपाल मयणा सुंदरी कि तप स्थली उज्जैन मे उन्ही को समर्पित विराट आयम्बिल भवन एवं धर्मशाला का निर्माण श्री सिद्धचक्र केसरियानाथ तीर्थ पर होने जा रहा है। 7 हजार वर्गफीट एरिया में 10 करोड़ कि लागत से बनने वाले 5 मंजिला भवन में भूतल पार्किंग, प्रवचन हॉल, धर्मशाला एवं अन्य सुविधायें निर्मित होंगी। आगामी सिंहस्थ महापर्व से पूर्व इसका निर्माण होना प्रस्तावित है। ताकि महापुरुष दौरान आने वाले भक्तगण भी इसका लाभ ले सके।

आचार्य देवेश विश्वरत्न सागर सूरी कि निश्रा में विधि विधान से इसकी नींव रखी गयी। खाराकुआं स्थित श्री ऋषभदेव छगनीराम पेढ़ी ट्रस्ट के अंतर्गत सागर आराधना भवन के स्थान पर विराट श्रीपाल मयणा आयंबिल आराधना भवन निर्मित होगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष सौरभ सिरोलिया, सचिव नरेंद्र जैन दलाल एवं मीडिया प्रभारी डॉ. राहुल कटारिया के अनुसार मालवा के आराध्य परम पूज्य आचार्य देवेश प.पू. श्री नवरत्नसागर सूरीश्वरजी मसा के सुशिष्य युवा हृदय सम्राट पूज्य आचार्य भगवंत श्री विश्वरत्न सागर सूरी जी मसा ने इस भवन के निर्माण का संकल्प लिया व आज उनके आशीर्वाद एवं प्रेरणा से प्रथम दिवस कार्यक्रम स्थल पर ही समाजजनों ने बढ़-चढ़कर दान देने की घोषणा की।

मालवा सहित अहमदाबाद बैंगलूरु, मुंबई, सूरत एवं सकल उज्जैन श्रीसंघ की उपस्थिति एवं सहयोग प्रोजेक्ट जल्द आकार लेगा। कार्यक्रम दौरान गणिवर्य किर्तीरत्न सागर मसा, वरिष्ठ साध्वी दमीताश्रीजी, दिव्ययशाश्रीजी, सिद्धांत ज्योतिश्रीजी आदि ठाणा उपस्थित रहे। भवन निर्माण समिति का प्रमुख गौतम चंद धीग को बनाया गया है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री पारस जैन, जयंतीलाल जैन तेलवाला, सुदीप धीग, पारस हरणीया, निलेश सिरोलिया, संजय पावेचा, अनिल शेखावत, प्रमोद जैन, अशोक हरणीया, संजय जैन खलीवाला, राजेश जैन डगवाला, अशोक भंडारी, सौरभ जैन, अमित भंसाली, धर्मेंद्र तरवेचा, राजेश कटारिया सहित बड़ी संख्या में उज्जैन सकल संघ, मालवा महासंघ व नवरत्न परिवार के पदाधिकारी उपस्थित रहे। गुरुभक्त आष्टा निवासी श्रेष्ठीवर्य आलोक जी, आशाबेन, रियाबेन जैन ने उपाश्रय निर्माण का मुख्य लाभ लिया। इसके साथ ही प्रमुख लाभ श्वेता नरेश कुमारजी भंडारी, सुखीबेन इमेशचंदजी हरण, बेंगलोर, मिलेमाभाई साकोरिया बेंगलोर, अनिल कुमार जवरीलाल शेखावत ताजपुर वाला, नरेन्द्र कुमार उच्छबलाल तरसिंग, साध्वी हेमेन्द्र श्रीजी भक्त परिवार, रिंकलबेन सौरभ जी, महेन्द्र जी सिरोलिया, साध्वी दमिताश्रीजी मसा सांसारिक परिवार, कांताबेन राजेन्द्र, चिराग बांठिया, पद्माबेन अरुण कुमार चम्पालालजी फुलेरा पिपलोन, गौतमचंदजी सुदीप, हर्षित धींग उज्जैन, साध्वी दिव्यशा श्रीजी मसा की प्रेरणा से गुरुभक्त, महावीर मांगीलाल जी शेखावत आदि।

भारत मुक्ति महिला मोर्चा ने भारत बंद एवं 7 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

उज्जैन। भारत मुक्ति महिला मोर्चा एवं बहुजन मुक्ति पार्टी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन कर रही हैं। चौथे चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष मूलनिवासी नायक वामन मेश्राम साहब के आव्हान पर राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन किया। फ्रीगंज स्थित बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भारत मुक्ति महिला मोर्चा बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयु.गंगा मालवीय के नेतृत्व में सात सूत्री मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया और जेल भरो आंदोलन किया।अध्यक्ष आयु.गंगा मालवीय ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहां की हमारी प्रमुख मांग है कि ईवीएम के विरोध, बैलेट पेपर के समर्थन मे एवम ह्व्ब्ष्ट की जाति आधारित गिनती ना करने के विरोध, संख्या के अनुपात में हिस्सेदारी ना मिलने के विरोध मे और महाबोधी महाविहार को मुक्त करने हेतु,1949 ड्ढ्रञ्जष्ट एक्ट को खत्म कर या रद्द कर विहार को मुक्त करने के समर्थन में!

महापुरुषों के अपमान के विरोध में! वक्फ अधिनियम बिल 2025 के विरोध में! निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया है। इस मौके पर अशोक मालवीय, रामेश्वर गेहलोद, जगन्नाथ बामनिया, कुलदीप बामनिया, रमेश जी चौहान, गोकुल सिंह मारवाड़ा, दौलत सिंह, दशरथ, पूनमचंद, कैलाश, परमानंद राठौड़, मोहन लाल मकवाना, आकाश मालवीय आदि सभी बहुजन मूलनिवासी उपस्थित थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com